

## विचार बिन्दु

निरंतर विकास जीवन का एक नियम है। और जो भी व्यक्ति खुद को सही दिखाने के लिए अपनी रुढ़िवादिता को बरकरार रखने की कोशिश करता है वो खुद को एक गलत स्थिति में पहुंचा देता है। -महात्मा गांधी

## बारिश में औषधीय पौधे लगाएं

**मा**

नसन के आते ही लोगों के समझ यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों। यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

देशभर में मानसून की बारिश से लोगों को जहां भीयों गर्मी से निजात मिली है वही पेयजल की सम्पत्ति दूर होने की सम्भावना भी व्यक्त करती है। मानसून अपने साथ अपार खुशियों लेकर आता है। लोगों को पौधों के लिए जहां पानी भारी होता है वह एक कानूनी व्यक्ति का उपयोग का साथ देशभर में पौधेरोपण का कार्य भी शुरू हो जाता है। मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण करते आए हैं। औषधीय पौधों बढ़ाने के लिए विभिन्न रक्तों के रोगों से घरें उपचार के लिए उपयोग करते आए हैं। बड़-बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं। बहुत से बड़े बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते। फलस्वरूप विभिन्न शारीरिक रोगों का भागत है। ये-पौधे हमारे शरीर के लिए प्राचीन काल से ही मृदुत्तम तेर-तरह के पेड़-पौधों का उपयोग किया है अपने-

आप को बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए। मानव सभ्यता के विकास के साथ ही इस विज्ञान ने भी तरक्की किया। यही कारण है कि प्राचीन जितनी भी विकसित सभ्यताएँ भी उन सभी में औषधीय पौधों के उपयोग की सलाह प्रस्तुरा थीं, जहां मिस्र हो, यूनानी हो, ग्रीको-रोमन हो, चीनी हो या सिंधु-घाटी की सभ्यता ही। सभी के साथ कुछ ऐसा अवश्य कि अपने लगभग परम्परा विकसित कर ली थी। औषधीय पौधों के उपयोग का साथ-साथ अपने लिए उपयोग की स्थिति विभिन्न स्वास्थ्य स्थितियों के इलाज के लिए उनके विकित्सीय गुणों के लिए उपयोग किया जाता रहा है।

इन पौधों में जैविक रूप से सक्रिय यौगिक होते हैं, जैसे अल्कोहॉल्ड्स, फ्लेनोनेइस्प, ट्रेपेनोइस्स और फेनोलिक एसिड, जो औषधीय गुणों से युक्त पाए गए हैं। भारत में चार ऐसी औषधीय प्रणालियों का उत्तराधिकारी ने जितने औषधीय पौधों का उपयोग आवश्यक है। यह पहिलताँ है - आयुर्वेद, यूनानी, सिद्धा तथा तिब्बती। भारत सरकार द्वारा कराए गए एक सर्वेक्षण (ऑल इंडिया को-ऑपरेटिंग सिस्टर्स प्रोजेक्ट) अनेक एथ्यो-बायोलॉजी से यह एक सर्वेक्षण के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र के बातें बताते हैं। यह एक सर्वेक्षण के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपने स्वास्थ्य के लिए उपयोग की बातों की गाड़ी को हांकते हैं। ये-पौधे हमारे शरीर में होने वाली बीमारियों से बढ़करा पाने के लिए हमें बहुत कुछ दे सकते हैं। यही कारण है कि प्राचीन जीवन का लगभग 1800, सिद्धा में लगभग 1000, जितने वाले जीवन की गाड़ी को हांकते हैं।

**हमारे दादा-दादी और नाना-नानी इन औषधीय पौधों से घरेलू उपचार करते आए हैं।** औषधीय पौधों इन्युनिटी बढ़ाने के साथ विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है।

**हमारे बड़े-बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं।** बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते।

**अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते।** प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं। बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते।

**हमारे बड़े-बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं।** बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**औषधीय एवं सुरक्षित पौधों की जीवनीय गुणों से करते हैं।** उनमें से अंग्रेजी दिवालों का उपयोग एवं अपेक्षित है। भारत के रेड डाटा बुक में 427 संकटप्रति

पौधों के नाम दर्ज हैं, इनमें से 28 तुला, 32 संकटप्रति, 81 नाजुक दशा में, 100 लुभ तथा अन्य पौधों हैं।

**अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें सुनना पसंद नहीं करते।** प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है। हमारे बड़े बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं। बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**हमारे विभिन्न प्रकार के रोगों से घर बैठे बचाता है।** बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी हमें औषधीय पौधों की बात बताते हैं। बहुत से बड़े-बुजुर्ग आज भी अंग्रेजी दिवालों का सेवन नहीं करते और अपने स्वास्थ्य के राज की बातें बताते नहीं थकते मार अपनी भागदौड़ भरी लाइफ स्टाइल में स्वस्थ जीवन के मंत्र की बातें बताते नहीं थकते।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाएं जो मानव जीवन के लिए उपयोगी हों।** यह हमारा करत्व और दायित्व के लिए हम इस मानसून में अपने घरों में औषधीय पौधे न केवल लगाएं अपेक्षित उक्ता का संरक्षण भी करें। औषधीय गुणों से भरपूर पौधे आकर स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदे मंद होते हैं। आगर

आप पौधों का उपयोग अनी अच्छी सेवत के लिए करना चाहते हैं।

**प्राचीन काल में यह दुखिया बन जाता है की इस मानसून में कौन से पौधे लगाए**